## अभ्यास पत्रक

## पाठ – तुम कब जाओगे, अतिथि

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

**1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)**

"अब वह 'घर' नहीं रहा। वहाँ सन्नाटा है, भारीपन है, अनकहा-सा डर है।
हम कोई बात नहीं करते, वह स्वयं भी मौन है।"

1. लेखक के अनुसार घर का वातावरण कैसा हो गया है?

**उत्तर -** .....

2. 'अनकहा-सा डर' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

**उत्तर -** .....

3. इस स्थिति के लिए लेखक किसे जिम्मेदार मानता है?

**उत्तर -** .....

**2. कथन और कारण पर आधारित प्रश्न (Assertion-Reason) – (2x1=2 अंक)**

4. **कथन:** लेखक के मन में अतिथि के प्रति सम्मान बना रहा।
   **कारण:** लेखक अंत तक उससे मीठे स्वर में ही बात करता है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** लेखक का व्यंग्य आधुनिक जीवन की एक सच्चाई को प्रकट करता है।
   **कारण:** वह बताता है कि अतिथि सत्कार की सीमा भी होती है।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (5x1=5 अंक)**

6. लेखक ने 'अतिथि' शब्द को 'खतरनाक शब्द' क्यों कहा है?

**उत्तर -** .....
.....

7. लेखक ने किस पत्रिका में अतिथि का लेख छपवाने का सुझाव दिया?

**उत्तर -** .....
.....

8. अतिथि ने अपने कपड़े कहाँ भिजवाए थे?

**उत्तर -** .....
.....

9. लेखक को अतिथि के किस 'आंतरिक तंत्र' से परेशानी थी?

**उत्तर -** .....
.....

egyanarchive

10. लेखक की पत्नी ने किन बातों से संकेत दिया कि वह परेशान है?

**उत्तर -** .....

.....

**4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)**

11. लेखक की व्यथा किन संकेतों से स्पष्ट होती है?

**उत्तर -** .....

.....

.....

12. लेखक को अतिथि का व्यवहार कृत्रिम क्यों लगा?

**उत्तर -** .....

.....

.....

13. अतिथि और लेखक के बीच का संवाद किस प्रकार बदलता गया?

**उत्तर -** .....

.....

.....

**5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक)** *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. पाठ 'तुम कब जाओगे, अतिथि' व्यंग्य की किस शैली में लिखा गया है? इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

**उत्तर -** .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक)** *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "आधुनिक जीवन में सीमाएँ और निजता का महत्व" विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

**उत्तर -** .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

eGyanArchive

## उत्तर कुंजी

1. घर अब मौन और भारीपन से भर गया था, पहले जैसा आनंद नहीं रहा।
2. यह डर इस बात का था कि अतिथि अभी और रुकेगा और कुछ कहे बिना ही माहौल असहज बना रहा।
3. लेखक अप्रत्यक्ष रूप से अतिथि को ही जिम्मेदार मानता है।
4. (ग)
5. (क)
6. क्योंकि जब कोई 'अतिथि' कहता है तो लेखक को डर लगने लगता है कि वह कब तक रुकेगा।
7. 'हिंदी ब्लिट्ज'।
8. लॉन्ड्री में।
9. उसके न रुकने की योजना, समय न बताना, और संकेत न देना।
10. उसका चुप रहना, मौन दृष्टि, और थकान का अभिनय।
11. लेखक की व्यथा उसके मौन विचारों, कल्पनाओं और अतिथि के प्रति बढ़ती झुँझलाहट में झलकती है।
12. क्योंकि अतिथि ने औपचारिकता निभाई लेकिन जाने की मंशा नहीं जताई।
13. पहले संवाद स्नेहिल और स्वागत से भरपूर थे, बाद में चुप्पी और असहजता से भर गए।
14. यह पाठ विनोदी व्यंग्य की शैली में लिखा गया है। लेखक हरिशंकर परसाई ने एक सामान्य सामाजिक स्थिति को हास्य के साथ प्रस्तुत किया है, जहाँ कोई अतिथि सीमित समय से अधिक रुक जाता है। लेखक अपने मन की झुँझलाहट को सीधे न कहकर संकेतों, कल्पनाओं और अतिशयोक्ति के माध्यम से अभिव्यक्त करता है। पाठक को लेखक की पीड़ा पर हँसी आती है और स्थिति की विडंबना स्पष्ट होती है। यह व्यंग्य पाठक को यह सोचने पर मजबूर करता है कि 'अतिथि सत्कार' की परंपरा कहाँ तक जायज़ है और आधुनिक जीवन की सीमाएँ क्या कहती हैं।
15. आधुनिक जीवन में निजता (Privacy) और सीमाओं (Boundaries) का अत्यधिक महत्व है। जैसे-जैसे जीवन तेज़ हुआ है, समय और स्थान दोनों सीमित हो गए हैं। घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि व्यक्तिगत विश्राम और मानसिक शांति का स्थान बन गया है। जब कोई अतिथि लंबे समय तक बिना पूर्व सूचना के रुकता है, तो यह न केवल पारिवारिक दिनचर्या में हस्तक्षेप करता है, बल्कि मानसिक दबाव भी उत्पन्न करता है। इसीलिए आज के समय में यह अपेक्षित है कि अतिथि पूर्व सूचना दें, अपनी सीमाओं को समझें और आत्मनियंत्रण रखें। 'तुम कब जाओगे, अतिथि' जैसे व्यंग्य आधुनिक समाज की इस आवश्यकता को सहज भाषा में सामने रखते हैं। अतिथि सत्कार एक मूल्य है, परंतु उसका संतुलन बनाना और मेज़बान की निजता का सम्मान करना आज के सामाजिक व्यवहार का अनिवार्य हिस्सा है।